लड़ती है नज़र तुमसे | by Ishrat Jahan

लड़ती है नज़र तुमसे तो लड़ने दे कन्हैया
तेरे नाम का नशा है तो चढ़ने दे कन्हैया

बरसों से जुबां चुप है और होंठ ये सिले हैं
मौका मिला तो बातें कुछ करने दे कन्हैया
तेरे नाम का नशा है तो चढ़ने दे कन्हैया

दीवार हर गिरा दो होने दो मिलान अपना
क्यों रोकते कदम हो इन्हे बढ़ने दो कन्हैया
तेरे नाम का नशा है तो चढ़ने दे कन्हैया

मुझे aam नहीं समझो मैं बेधड़क हूँ इशरत
मुझे आम नहीं समझो हम बेधड़क हैं आशिक़
हम प्यार कर रहे हैं तो करने दो कन्हैया
तेरे नाम का नशा है तो चढ़ने दे कन्हैया

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b2%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a4%a4%e0%a5%80-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%a8%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%b0-%e0%a4%a4%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a4%b8%e0%a5%87-by-ishrat-jahan/